Date - 23-05-2020

Dr. Sanehlata
Asst. Professor (Guest faculty)
Dept. of Philosophy
Women's college, Samastipur
Email Id. - Snehababli 1987@gmail.com
Cont. no. - 8409587640

Topic - Nyaya and Vaisheshika Objective questions.

Class - B.A. I (H)

Scanned with CamScanner

न्याय और वैशेषिक दर्शन (वस्तुनि० प्रश्न)

(1.) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. सीप को चाँदी के रूप में देखना विपर्यय का एक उदाहरण है।
2. विपर्यय में ज्ञान का वस्तु से संवाद होता है।
3. विपर्यय अप्रमा का एक प्रकार है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है?
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3 (c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

(2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. न्याय दार्शनिकों के अनुसार ज्ञान का एक ही प्रकार है - यथार्थ ज्ञान।
2. न्याय दर्शन में यथार्थ ज्ञान को प्राप्त करने के लिए चार स्वतन्त्र प्रमाण स्वीकार किए गए हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(3). निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. भारतीय दर्शन में कुल 6 इन्द्रियाँ मानी गई हैं।
2. मन को आन्तरिक इन्द्रिय कहा जाता है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(4). निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. भारतीय दर्शन में कुछ न्याय दार्शनिकों के अनुसार बाह्य प्रत्यक्ष तीन चरणों में सम्पन्न होता है।
2. निर्विकल्प प्रत्यक्ष बाह्य प्रत्यक्ष की दूसरी अवस्था है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(5). निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।
1. जब इन्द्रिय अर्थ सन्निकर्ष साधारण ढंग से होता है, तो इसे लौकिक प्रत्यक्ष कहते हैं।
2. जब इन्द्रिय अर्थ सन्निकर्ष असाधारण ढंग से होता है, तो इसे अलौकिक प्रत्यक्ष कहते हैं।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है।
(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

Scanned with CamScanner

(6.) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. अनुमान के तीन अवयव होते हैं- हेतु, साध्य तथा पक्ष
2. हेतु का प्रत्यक्ष करने अनिवार्य सम्बन्ध के आधार पर पक्ष में साध्य का ज्ञान प्राप्त होना ही अनुमान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(7.) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. जो अनुमान स्वयं के लिए किया जाता है, उसे परार्थ अनुमान कहते हैं।
2. जो अनुमान पाँच अवयवों- प्रतिज्ञा, हेतु, दृष्टान्त, उपनय और निगमन का प्रयोग करते हुए अन्य को ज्ञान प्राप्त कराने के लिए किया जाता है उसे स्वार्थ अनुमान कहते हैं।

(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(8.) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. न्याय दार्शनिकों के अनुसार परार्थ अनुमान का चौथा चरण उपनय ही तृतीय लिंग परामर्श कहलाता है तथा इसी के आधार पर साध्य का ज्ञान प्राप्त होता है।
2. पंचावयव अनुमान का परार्थ अनुमान के अन्तर्गत आते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है,

(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(9.) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. व्याप्ति से तात्पर्य है- हेतु एवं साध्य का व्यापक सम्बन्ध।
2. व्याप्ति के तीन प्रकार होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(10.) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. जब समान विस्तार वाले दो पदों में व्याप्ति सम्बन्ध होता है अर्थात व्याप्य से व्यापक का अनुमान सम्भव हो तथा व्यापक से व्याप्य का भी अनुमान सम्भव हो तभी दोनों पदों में व्याप्ति सम व्याप्ति कहलाती है।
2. व्यूनाधिक विस्तार वाले दो पदों में जब व्याप्ति का सम्बन्ध होता है, तो उसे विषम व्याप्ति या असम व्याप्ति कहते हैं।

कूट

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

Scanned with CamScanner

(11) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. सादृश्यता के ~~प्रत्यक्ष~~ प्रत्यक्ष से नाम (संज्ञा) और नामी (संज्ञी) के सम्बन्ध का ज्ञान कराने वाले प्रमाण को शब्द कहते हैं।
2. पद और वाक्य का अर्थ जानने से जो ज्ञान प्राप्त होता है, ज्ञान के उस प्रमाण को उपमान कहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(12.) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए

1. कभी-कभी जब दुष्ट हेतु के कारण अनुमान में जो दोष पैदा हो जाते हैं, तो अनुमान के दोष को हेत्वाभास कहते हैं।
2. नैयायिकों के अनुसार दुष्ट हेतु के कारण अनुमान में तीन प्रकार के वास्तविक दोष उत्पन्न होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 (c) 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

(13) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. न्याय दर्शन आत्मा को ही एक विशेष रूप मानता है।
2. नैयायिकों के अनुसार ईश्वर इस जगत का उत्पत्तिकर्ता, पालनकर्ता तथा संहारकर्ता है।
3. न्याय दर्शन के अनुसार ईश्वर की कृपा से ही मोक्ष सम्भव है।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा कथन सही है?

कूट

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3 (c) 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

(14) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. बौद्ध दर्शन के अनुसार प्रत्येक प्रमाण का क्षेत्राधिकार अलग है।
2. बौद्ध दर्शन में दो प्रमाण हैं - प्रत्यक्ष तथा अनुमान
3. न्याय दर्शन में प्रमाण की संख्या चार है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं।

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3 (c) 1 और 3 (d) 1, 2, और 3

उत्तर

1. (c)	2. (b)	3. (c)	4. (a)	5. (c)	6. (c)	7. (d)
8. (c)	9. a	10. (c)	11. (d)	12. (a)	13. (d)	14. (d)

Scanned with CamScanner